भारत सरकार
पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 3965
18.08.2025 को उत्तर के लिए

मिशन लाइफ का विस्तार

3965. डॉ. दग्गुबाती पुरंदेश्वरी :

क्या **पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री यह** बताने की कृपा करेंगे किः

(क) पर्यावरण के लिए जीवनशैली (एलआईएफई) के अंतर्गत कार्यान्वित पहलों और इसमें शामिल प्रतिभागियों की संख्या के आंकड़े क्या हैं और मिशन लाइफ़ में सर्वाधिक भागीदारी वाले राज्यों या क्षेत्रों का राज्य-वार ब्यौरा क्या है और राज्य-वार कौन-सी सर्वोत्तम परिपाटियां उभर कर सामने आई हैं;

(ख) यह सुनिश्चित करने के लिए क्या उपाय किए गए हैं ताकि ग्रामीण और आर्थिक रूप से कमज़ोर समुदाय मिशन लाइफ़ पहलों में भाग ले सकें;

(ग) मिशन लाइफ़ में जन भागीदारी को प्रोत्साहित करने और पर्यावरणीय रूप से स्थायी पद्धतियों के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं;

(घ) क्या सरकार के पास कार्बन उत्सर्जन को कम करने और सामुदायिक स्तर पर जलवायु लचीलेपन को बढ़ावा देने में मिशन लाइफ़ के योगदान के आंकड़े मौजूद हैं और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ङ) क्या सरकार अगले पाँच वर्षों में मिशन लाइफ़ के दायरे और पहुँच का विस्तार करने की योजना बना रही है और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन राज्य मंत्री
(श्री कीर्तवर्धन सिंह)

(क) से (ङ) मिशन लाइफ (पर्यावरण के अनुकूल जीवनशैली) एक नागरिक-नेतृत्व वाली पहल है जो दैनिक स्वैच्छिक कार्यकलापों के माध्यम से व्यक्तियों को संधारणीय जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करने और सक्षम बनाने पर केंद्रित है। इसका उद्देश्य ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में समाज के सभी वर्गों के व्यक्तियों और समुदायों को प्रकृति के साथ तालमेल बिठाने वाली जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करना है।

मिशन लाइफ में जनभागीदारी को प्रोत्साहित करने और पर्यावरण अनुकूल संधारणीय परिपाटि को बढ़ावा देने के लिए मंत्रालय ने संबंधित मंत्रालयों, राज्य/संघ राज्य क्षेत्रों की सरकारों सहित विभिन्न हितधारकों के साथ

मिलकर जन जागरूकता अभियान और जागरूकता पहल के शुरूआत की है, जैसे 'एक राष्ट्र, एक मिशन: प्लास्टिक प्रदूषण की समाप्ति', 'अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस, 2025 पर हरित योग', 'एक पेड़ माँ के नाम के तहत वृक्षारोपण अभियान', 3 राज्यों के 13 शहरों में मुख्य आधार पर 'ई-अपशिष्ट जागरूकता और न्यूनीकरण अभियान' आदि। विश्व पर्यावरण दिवस, 2005 अभियान के दौरान 4.96 लाख से अधिक लाईफ कार्यक्रमों में 38 लाख से अधिक प्रतिभागियों को संगठित किया गया और एक पेड़ मां के नाम पहल के तहत अब तक 201 करोड़ से अधिक पौधे लगाए गए हैं।

विश्व पर्यावरण दिवस, 2025 के उपलक्ष्य में, मंत्रालय ने प्लास्टिक प्रदूषण को ख़त्म करने हेतु युवाओं की भागीदारी को प्रोत्साहित करने के लिए MyGov पर एक महीने का अभियान भी चलाया, जिसमें लगभग 93,000 लोगों ने भाग लिया। मंत्रालय सोशल मीडिया का सहारा लेकर भी नागरिकों तक पहुँच रहा है।

मिशन लाइफ के ढांचे के तहत मिशन लाइफ के सात विषयों पर छात्रों, संकायों, शोध छात्रों आदि से नवीन विचारों की तलाश करने के लिए वर्ष 2024 में 'आइडियाज4लाइफ पहल' शुरू की गई थी। कुल 1384 प्रविष्टियाँ प्राप्त हुईं, जिनमें से सात विषयों में से प्रत्येक पर शीर्ष 3 विचारों वाले 21 विचारों का चयन किया गया और विश्व पर्यावरण दिवस, 2025 पर उन्हें सम्मानित किया गया।

भारत पर्व, स्वच्छ वायु दिवस, महाकुंभ मेला, भारत जल सप्ताह, विश्व पर्यावरण दिवस 2025, जी-20 पर्यावरण और जलवायु स्थिरता कार्य समूह स्थल (ईएसडब्ल्यूजी) आदि जैसे प्रमुख राष्ट्रीय आयोजनों के दौरान भी लाइफ के पैविलियन की स्थापना की गई है।

नागरिक, संस्थाएँ, संगठन अपनी लाइफ कार्यकलापों की रिपोर्ट 'Meri LiFE' पोर्टल पर दे सकते हैं और मिशन लाइफ में किए गए विभिन्न कार्यकलापों के आंकड़े इस मिशन की प्रगति की निगरानी के लिए उपलब्ध है। मिशन लाइफ के अंतर्गत भागीदारी का राज्य/संघ राज्य क्षेत्रवार विवरण **अनुलग्नक** में दिया गया है।

मिशन लाइफ और इसके सिद्धांतों को भारत के राष्ट्रीय स्तर पर निर्धारित योगदान (एनडीसी) के गैर-मात्रात्मक लक्ष्यों में भी शामिल किया गया है। मिशन लाइफ के सात विषयों के अंतर्गत किए गए कार्यकलाप जलवायु अनुकूल और पर्यावरणीय तौर पर संधारणीय रीतियों के अनुरूप हैं।

मिशन लाइफ की पहुँच और दायरे को बढ़ाने के लिए, मंत्रालय संबंधित मंत्रालयों और राज्य/संघ राज्य क्षेत्र सरकारों के साथ मिलकर काम कर रहा है ताकि मिशन लाइफ की पहुँच को बढ़ाया जा सके और इसे मौजूदा क्षेत्रीय योजनाओं, अभियानों और कार्यक्रमों में शामिल किया जा सके। मंत्रालय मिशन लाइफ की वैश्विक पहुँच का विस्तार करने के लिए यूनिसेफ, यूएनडीपी, यूएनईपी और एशियाई विकास बैंक जैसे अंतर्राष्ट्रीय संगठनों के साथ भी मिलकर काम कर रहा है।

संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण सभा (यूएनईए) ने दिनांक 1 मार्च 2024 को केन्या के नैरोबी में आयोजित अपने छठे सत्र में भारत द्वारा प्रस्तुत और श्रीलंका और बोलीविया द्वारा सह-प्रायोजित सतत जीवन शैली को बढ़ावा देने के प्रस्ताव को सर्वसम्मति से अपनाया, जो पर्यावरण के लिए जीवन शैली (लाइफ) की अवधारणा के वैश्वीकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इस प्रस्ताव को अपनाने के बाद, संधारणीय उपभोग और उत्पादन पैटर्न पर कार्यक्रमों की 10 वर्षीय रूपरेखा के बोर्ड में भी भारत को स्थान प्राप्त हुआ। हाल ही में, ज़िम्बाब्वे में

रामसर के 15वें सम्मेलन में, 'आर्द्रभूमि के विवेकपूर्ण उपयोग के लिए सतत जीवनशैली को बढ़ावा देने' संबंधी भारत के प्रस्ताव को अपनाया गया, जो 'सतत जीवनशैली को बढ़ावा देने' संबंधी यूएनईए के प्रस्ताव पर आधारित है। सतत जीवन शैली के संदर्भ में मिशन लाइफ को विभिन्न वैश्विक मंचों पर स्वीकार किया गया है, जिसमें जलवायु परिवर्तन पर अंतर-सरकारी पैनल कार्य समूह III, शर्म-अल-शेख कार्यान्वयन योजना, जी-7 घोषणापत्र, जी-20 नई दिल्ली नेताओं की घोषणा और सीओपी 28 में ग्रीन राइजिंग पहल शामिल हैं।

*****

अनुलग्नक

मेरी लाईफ पोर्टल पर यथा सूचित मिशन लाईफ के लिए राज्य/संघ राज्य-क्षेत्रवार भागीदारी का ब्यौरा

क्र.सं.	राज्य/संघ राज्य क्षेत्र का नाम	कुल
1	तमिलनाडु (टीएन)	5722928
2	तेलंगाना	4677142
3	पंजाब (पीबी)	3804208
4	गुजरात (जीजे)	2893601
5	उत्तर प्रदेश (यूपी)	2841040
6	राजस्थान (आरजे)	2715816
7	मध्य प्रदेश (एमपी)	2693550
8	आंध्र प्रदेश (एपी)	2626964
9	जम्मू और कश्मीर (जेके)	2229207
10	असम (एएस)	1979490
11	ओडिशा (ओडी)	1744108
12	केरल (केएल)	1578433
13	झारखंड (जीएच)	1546419
14	महाराष्ट्र (एमएच)	1416204
15	हरियाणा (एचआर)	1332801
16	दिल्ली (डीएल)	1262622
17	बिहार (बीआर)	1222218
18	चंडीगढ़ (सीएच)	1016201
19	कर्नाटक (केए)	939616
20	पश्चिम बंगाल (डब्ल्यूबी)	733709
21	उत्तराखंड (यूके)	720673
22	छत्तीसगढ़ (सीजी)	697456
23	हिमाचल प्रदेश (एचपी)	676413
24	सिक्किम (एसके)	443970
25	गोवा (जीए)	400635
26	मणिपुर (एमएन)	381731
27	दमन और दीव (डीडी)	285926
28	पुडुचेरी (पीवाई)	270600
29	त्रिपुरा (टीआर)	220849
30	मिजोरम (एमजेड)	208597
31	अरुणाचल प्रदेश (एआर)	173664
32	अंडमान और निकोबार (एएन)	161306
33	मेघालय (एमएल)	138399
34	नागालैंड (एनएल)	123004
35	लद्दाख	42886
36	दादरा और नगर हवेली (डीएम)	30788
37	लक्षद्वीप (एलडी)	12954
	कुल	49966128